जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 143 प्रभात उदयपुर, गुरुवार 28 मार्च, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

मु.मंत्री भजन लाल ने जयपुर शहर की भाजपा उम्मीदवार मंजू शर्मा के समर्थन में नामांकन सभा की

मु.मंत्री ने कहा, मंजू शर्मा बूथ से लेकर प्रदेश महामंत्री तक कई जिम्मेवारियां निभा चुकी हैं

जयपुर, 27 मार्च (का.सं.)। लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण के लिए आज नामांकन के अंतिम दिन भाजपा प्रत्याशियों ने हजारों कार्यकर्ताओं के साथ रैली निकाली और अपना नामांकन दाखिल किया।

- मु.मंत्री ने मंजू शर्मा को जयपुर की बेटी बताया और उन्हें भारी मतों से जिताने की अपील की।
- प्रत्याशी मंजू शर्मा ने कहा कि, पूर्व में मेरे पिता स्व. भंवर लाल शर्मा ने जयपुर की जनता की सेवा की है और मैं जयपुर की बेटी भी लगातार जयपुर की जनता की सेवा करती आई हूँ।
- मु.मंत्री ने अलवर लोकसभा सीट के भाजपा प्रत्याशी भूपेन्द्र यादव, करौली-धौलपुर की प्रत्याशी इंदू जाटव की नामांकन सभाओं को भी संबोधित किया।
- बुधवार को बीकानेर, श्रीगंगानगर, जयपुर ग्रामीण, झुंझुनूं, भरतपुर व दौसा के भाजपा प्रत्याशियों ने भी नामांकन भरा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर शहर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा के समर्थन में नामांकन सभा को संबोधित करते हुए कहा, बूथ से लेकर प्रदेश महामंत्री तक काम करने वाली मंजू शर्मा को पार्टी ने प्रत्याशी बनाया है। राजस्थान में 2014 में भी 25 सीट आई थीं 2019 में भी 25 सीट आई थीं, और जयपुर ने तो रामचरण बोहरा को सबसे ज्यादा वोटों से जिताकर भेजा था। यहां मौजूद विशाल जनसमूह का उत्साह देखकर स्पष्ट है कि, जयपुर शहर में इस बार भी प्रचंड बहुमत से कमल खिलने जा रहा है। हमें प्रत्येक बूथ से भाजपा का कमल खिलाना है और बड़ी जीत दर्ज करानी है।

मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मु. मंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को जयपुर शहर से भाजपा उम्मीदवार, मंजू शर्मा, अलवर से भूपेन्द्र यादव और करौली-धौलपुर से इंदु देवी जाटव की नामांकन सभाओं को संबोधित किया। जयपुर में मंजू देवी की नामांकन सभा में भारी भीड़ देखी गई, मु. मंत्री भजनलाल ने मंजू शर्मा को रिकॉर्ड वोटों से जिताने की अपील की।

भंवरी देवी के सर्विस रिकॉर्ड के लिए कोर्ट में आवेदन

जोधपुर, 27 मार्च (कासं)। ए.एन.एम. भंवरी देवी की हत्या के बाद अभी तक उसके नॉमिनी को पेंशन नहीं मिली है। अब उसके बेटे ने एस.सी.-एस.टी. कोर्ट में एप्लिकेशन दी है।

वर्ष 2011 में बहुचर्चित भंवरी देवी हत्याकांड हुआ था। उसकी जांच के समय भंवरी देवी की सेवा पुस्तिका सी.बी.आई. ने जब्त कर ली थी।

करीब बारह वर्ष बाद आज तक भंवरी देवी के नॉमिनी को पेंशन नहीं मिली और ना ही अन्य लाभ मिल सका है।

- ए.एन.एम. भंवरी देवी, जिसकी वर्ष 2011 में हत्या हो गई थी, के नॉमिनी, भंवरी के पुत्र साहिल ने भंवरी के सेवा परिलाभ प्राप्त करने के लिए कोर्ट में उनकी सेवा का रिकॉर्ड पेश करने को कहा है।

भंवरी के पुत्र साहिल ने अपने अधिवक्ता भवानी सिंह भलासरिया के मार्फत एस.सी.-एस.टी. कोर्ट जोधपुर महानगर में प्रार्थना पत्र पेश किया है। साथ ही सी.बी.आई. को भी प्रार्थना पत्र की कॉपी पेश की। सी.बी.आई. ने प्रार्थना पत्र के जवाब के लिए समय मांगा है।

गहलोत व सी.पी. जोशी उन जिताऊ उम्मीदवारों को ब्लॉक करने में जुटे हैं जिन्हें पायलट ''बैक'' कर रहे हैं

स्क्रीनिंग समिति के अध्यक्ष रजनी पटेल व प्रभारी रंधावा ने लोकसभा चुनाव को इतने हल्के ढंग से क्यों लिया और अपना ''होमवर्क'' गंभीरता से पूरा क्यों नहीं किया, रोज नयी खामियां उजागर हो रही हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मार्च। राजस्थान में जिस तरह से टिकट बांटे गए हैं उसे लेकर कांग्रेस के पार्टी नेतृत्व ने राजस्थान के लिए गठित स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष रजनी पाटिल को आड़े हाथों लिया है।

विशेष रुप से इस बात को लेकर भारी नाराज़गी है कि, 25 लोकसभा सीटों में से पार्टी ने किसी भी ब्राह्मण को टिकट नहीं दिया है।

माना जा रहा है कि, पार्टी अब कुछ बदलाव करेगी और ब्राह्मण प्रत्याशी को टिकट दिया जा सकता है।

यह बात भी अधिकारिक रुप से स्पष्ट हो गई है कि, राजसमन्द से कांग्रेस प्रत्याशी सुदर्शन रावत ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा को पत्र लिखकर साफ कर दिया है कि लोकसभा चुनाव लड़ने में उनकी रुचि नहीं है, क्योंकि, बिज़नैस के सिलसिले में वो विदेश में हैं और अगले कुछ महीने विदेश में ही रहेंगे।

रावत ने कहा कि, उन्हें चुनाव मैदान में उतारने में उदयपुर के एक वरिष्ठ नेता की भूमिका है, बावजूद इसके कि चुनाव लड़ने में उनकी रुचि नहीं है और उन्हें पता भी नहीं था कि क्या चल रहा है। उन्होंने कहा, पायलट के उम्मीदवार को ब्लॉक करने के लिए मुझ से बिना पूछे मेरा नाम उम्मीदवार के रुप में घोषित करवा दिया। रावत ने कहा, उनकी जगह एक युवा व योग्य प्रत्याशी का चयन किया जाना चाहिए।

- उदाहरण के लिए एक भी ब्राह्मण को राजस्थान में टिकट नहीं दिया गया।
- साथ ही राजसमंद का टिकट सुदर्शन रावत को दिया गया, पर, रावत ने डोटासरा को चिट्ठी लिख कर कहा कि, वे विदेश यात्रा पर हैं तथा अगले दो महीने भारत नहीं लौट पायेंगे। अतः उदयपुर के एक वरिष्ठ नेता ने पायलट के उम्मीदवार को ब्लॉक करने के लिये मुझ से बिना पूछे, मेरा नाम उम्मीदवार के रूप में घोषित करवा दिया।
- इसी प्रकार घोर पायलट विरोधी वयोवृद्ध रामचन्द चौधरी को अजमेर से टिकट दिया। पर, इस टिकट को भी बदलने की बात चल रही है।

पता चला है कि, अजमेर सीट को लेकर भी पुनर्विचार हो रहा है। वहाँ से घोर पायलट विरोधी, रामचंद चौधरी को टिकट दिया है, जिन पर रेप और यौन उत्पीड़न के आरोप हैं। एक एफ.आई.आर. भी दर्ज हुई है। चौधरी अशोक गहलोत के करीब माने जाते हैं तथा कहा जा रहा है कि, गहलोत के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)